P-317

Total Pages : 3 Roll No. .....

MASL-609

नाटक एवं नाटिका भाग-02

MA Sanskrit (MASL)

4th Semester Examination, 2023 (June)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

(खण्ड-क)

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×19=38)

1. मृच्छकटिक प्रकरण एक "प्रकरण" है यह सिद्ध कीजिए।

2. रत्नावली नाटिका का नाट्यशास्त्र की दृष्टि से विश्लेषण कीजिए।

3. निम्नलिखित श्लोक की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए :

विधिनैवोपनीतस्त्वं चक्षुर्विषयमागतः।

अपि प्राणानहं जह्यां न तु त्वां शरणागतम्।।

4. मृच्छकटिक की कथावस्तु का नाट्यशास्त्र की दृष्टि से विवेचन कीजिए।

5. मृच्छकटिक प्रकरण के अनुसार चारुदत्त का चरित्र चित्रण करते हुए धीरप्रशान्त नायक के गुणों का वर्णन कीजिए।

(खण्ड-ख)
(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×8=32)

1. मृच्छकटिक प्रकरण के सप्तम अंक की घटनाओं का वर्णन कीजिए।

2. रत्नावली नाटिका के अनुसार वत्सराज उदयन का चरित्र चित्रण कीजिए।

3. मृच्छकटिकम प्रकरण के षष्ठ अंक का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

4. रत्नावली नाटिका के प्रथम अंक का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

5. रत्नावली के द्वितीय अंक में वर्णित घटनाओं की समीक्षा कीजिए।

6. मृच्छकटिक प्रकरण के अनुसार तत्कालीन धार्मिक स्थिति का वर्णन कीजिए।

7. मृच्छकटिक प्रकरण में वर्णित किसी एक स्त्री पात्र का चरित्र चित्रण कीजिए।

8. रत्नावली नाटिका में प्रयुक्त भाषा शैली तथा रस और छन्दों का वर्णन कीजिए।